तर्ज-- दमा दम मस्त कलंदर
धाम का दूल्हा सखियों की बिगड़ी बनाता
माया से सखियों को खोज खोज के लाता
हमारा सतगुरू प्यारा,जग का उजियारा,
मेरी आंखों का तारा

1--सतगुरू जी का फुरमान यही है
उनसे ऊचां ज्ञान नही है
किये वायदे को तुम ना भुलाना

2--सतगुरू बन मेरे पिया जी आए
सखियों की टोली संग ले आए
वाणी को उनकी गाएगा सारा जमाना

3--सतगुरू जी की बाणी निराली
जान सकें सखियां मतवाली
जीवों को आके दे दिया अखंड ठिकाना

Nijanand App